

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1216850

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : ADITYA MAITHUR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख
Date

31/08/2024

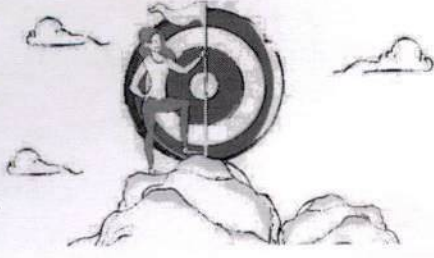
निबंध ESSAY

केंद्र
Centre

JVSD, NEW DELHI

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

① THE WORLD MUST LEARN TO ^{WORK} LIVE TOGETHER,
OR FINALLY IT WILL NOT WORK AT ALL

In the dust and dirt of the Second World War, a man was sitting in his office, deep in contemplation. He was trying hard to think of how to win the war for his country, but the answer seemed elusive. Try as he may, his brilliant mind alone could not do what was necessary.

Such was the predicament of

DR. J. Robert Oppenheimer. Talented as he was, he devised an old but ingenious strategy. He decided to rope in scientists from allied nations like Edward Teller, Hans Bethe and Richard Feynman to work with him on the Manhattan Project. Their combined ingenuity built the world's first atomic weapon, won the war for their nations and restored relative peace in the world.

This story from the momentous life of DR. Oppenheimer demonstrates the timeless need for mankind to work together to create a better world or meet shared aims.

In this essay, let us explore the multifold benefits of working together and the unblemished good it creates while exploring untold travesties for failing to do so in our lives and on the world.

LEARN TO WORK TOGETHER : A SAGA WITH NO BEGINNING

It is axiomatic that humankind has learnt the need to come together as a species for a long time. For one, it is the natural order of things as man is more similar to man than dissimilar. The trinity gods of Bramha, Vishnu and Shiva built and continue to run the universe through their combined efforts.

Similarly, we have learnt that working together allows us all to do our Dharma. Or duties in life. Verse 47 of Chapter II of the Bhagawad Gita encourages us to follow our Dharma without malice, ill-will or lure of rewards. This must be performed with our minds fixed on the Supreme being.

An understated benefit of working together is the virtue of collaboration that allows us to achieve our shared goals. For instance, the people of Colombia, Ecuador and Venezuela worked as one under the leadership of Simón Bolívar to achieve independence from Spanish colonialism and exploitation.

By extension, it also creates ripe conditions for synergistic actions. This results in better results than we could produce alone and creates utilitarian benefits for all. This was ably done by the Aztec tribe of Mesoamerica who realized the futility of their violence. They, over time, learnt how to come together and create a prosperous society.

In the same vein, man working ~~as~~ one with his brethren sets the

foundation for peace. Martin Luther King JR, the famous civil rights activist rightly said, "We must learn to live together as brothers or perish together as fools." This is clearly visible in the case of Israel and Egypt, as they decided to bury their differences and established diplomatic relations to build a peaceful Middle-East, brick by brick.

Working together also allows us to co-create new and novel theories and solutions. The Higgs Boson and Bose-Einstein condensate were first theorized by Satyendra Nath Bose and Albert-Einstein.

Despite physical distances and language barriers, the two scientists chosen to collaborate and literally theorized about a new stage of matter!

In addition, it is amply clear that man working together is a potent force which allows him to work for the benefit of others. Initiatives like Public Stockholding of foodgrains, AwaRe scheme of the World Health Organization and Going Online as Leaders (GOAL) plan of Meta will go a long way to meet Sustainable Development Goals of Zero Hunger (SDG-2), Good Health and Well-being (SDG-3) and Reduced Inequalities (SDG-10) by cooperation of all states.

Similarly, the massive returns of cooperation and collaboration were recently seen in Paris. Avani Lekhara, a shooter in the Paralympics 2024 won her second consecutive gold medal. She was able to achieve this feat and

remarkable achievement by training hard with her coaches, living in harmony at home and working together with the Indian Olympic Association to make India proud.

An often-overlooked benefit is our ability to share thoughts, exchange ideas and connect emotionally with our fellow beings. This can be seen in the people of Mali, who are working with one another to rebuild their land after decades of strife and civil war.

OTHER SIDE OF THE COIN: MAN'S REFUSAL OR INABILITY TO WORK TOGETHER

It is perhaps obvious to observe that man not coming together to work is not a universal rule. One simple reason is that it is rather difficult to

work together for all people at all times. This is due to different and often conflicting nature of all individuals. King Dhanananda and Kautilya could not work together due to insulting and evil nature of the former, and Kautilya was forced to work against him to restore just rule in the empire.

In the same way, Mao's propensity of wars and conflicts is well known. This causes loss of life, destruction of property and dehumanization of humans.

Sultan Allaudin Khilji chose not to work together with other rulers which led him to bring wanton misery and deaths in the Indian subcontinent.

Similarly, world suffers due to our unwillingness to collaborate or undo

the efforts of others. India has been extending development assistance to many nations in Africa to promote African-led and African-owned growth. These actions are frequently countermanded by militants and terrorists who see higher virtue in destruction and plunder.

Not working with one another or working against the interests of others is regressive, inhuman and infectious. The United States brought untold misery and violence to countries like Vietnam and Iraq. This precipitated into wars and conflicts that were answered in kind by these nations that engulfed the whole world into chaos and economic uncertainty.

Extending our arguments, it is not always possible for a person to work

with another due to a trust deficit.
Nikola Tesla and Thomas E. Edison were
gifted scientists in similar fields but
Tesla refused to collaborate with Edison
due to the latter's greed and unethical
practices. This probably slowed the advance
of technology by several years.

In a similar manner, working
alone can sometimes be necessary to
maintain political independence and
strategic autonomy. India, for one, is
investing massive resources into emerging
technology in semiconductors, Artificial
Intelligence and Blockchain technology to
India's benefit. This will allow meaningful
collaboration with friendly nations but also
achieve "Aatmanirbharata" to safeguard
paramount Indian interests.

PROGNOSIS: CLARION CALL TO WORK TOGETHER

In the 21st century, a large number of challenges confront the world today. Sometimes referred to as a "polycrisis", it includes widespread poverty, growing inequality and internecine warfare. The time and need for humans to come together has never been greater.

Therefore, we, as humans, must turn to each other and not from each other. This is grounded in the Socratic ideal man, who does his duty by working with all people without regard to personal consequences. By imbibing this quality, we can all start building a better future for our children.

This collaboration can take many forms and occur at many levels. etc

can take place at an individual level (Mission Life to counter climate change), societal stage (reduce inequalities and foster gender equality) or international (promote global development and foster) peace at a global level.

Yuval Noah Harari in his magnum opus "Sapiens" stated, "the greatest strength of our civilization is in our shared sapiens, in our extraordinary ability to collaborate and co-create." This adage as our North star, let us pledge to work together and co-develop a shared just world full of prosperity and peace that DR. Oppenheimer would be proud of

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

⑤ IT IS THE MARK OF AN EDUCATED MIND
TO BE ABLE TO ENTERTAIN A THOUGHT
WITHOUT ACCEPTING IT

What is education? What is its true meaning and significance? What is the need and virtues of an educated mind? These are questions that have perplexed and occupied the thoughts of learned men and women from the dawn of human civilization.

The Greek philosopher Plato, for

instance, believed that an educated mind is a formally trained mind that holds cardinal virtues like prudence and temperance dear to its heart.

On the other hand, Aristotle believed that while education has its importance, an educated mind is, first and foremost, a human mind of values and morals. He believed only such individuals with education and values can truly succeed in life.

In this essay, let us explore the fundamental attributes of an educated mind and how they utilize their mental faculties at all times to train their senses. We shall also explore the unimaginable horrors arising due to man accepting anything and everything that causes great harm to human civilization.

ENTERTAIN THOUGHTS BEFORE ACCEPTING:

THE UTILITARIAN CHOICE

It is in the usual order of things to understand the true meaning and import of a few phrases before proceeding further. "Educated Mind", for one, can imply a mind formally trained in an educational institution to develop its capacity to think rationally on its own. While formal education is important, it may not always be necessary.

Similarly, "entertain a thought before accepting" signifies the critical requirement of applying own mind, invoking rationality and utilizing logic to facts and situations at hand. As a natural corollary, it prohibits blind faith or loyalty in any person or to service of any cause.

There are several attributes of such an exercise and results in larger human welfare. For one, an educated mind thinks long and hard with reason before deciding course of actions. The Carvaka and Ajivika thoughts of Indian philosophy were founded by Carvaka and Gosala respectively. They refused to acknowledge divine authority of Vedas and Brahmanical supremacy and established secular paths to salvation.

At a foundational level, entertaining thoughts ensures the biological functioning of a healthy brain. This can be seen in the case of the early humans who were constantly tormented by cold climates of the Earth. Instead of resigning to their fate, they worked together to invent the fire as man's earliest invention.

Similarly, it promotes, endures and rewards a rational society. The ancient Greek society had heard of totalitarian regimes in neighboring society of sparta. However, they rejected this form of government and established the world's first democracy. While the democracy itself was flawed, it demonstrates the rationality of the Greeks almost 2500 years ago.

Entertaining thoughts and thinking before acting leads to less-hasty decisions and ultimately the good of more people (as per JS Mill's material utilitarianism).

This was ensured by King Kanishka who was warned to not engage in sea trade due to religious prohibitions. He used his rationality, heard his royal councillors and built a rich kingdom by trade

for the welfare of his subjects in the vast Kushan Empire.

Perhaps more importantly, this form of rationality and refusal to blindly accept any thought suppresses superstition and dogmas. This can be seen in Bhakti saints of India like Guru Nanak, Kabir and Tukaram. They refused to accede to caste superstition, gender inequality and priestly domination and introduced the Bhakti Marg to salvation. This is even more impressive as many of these saints came from lower castes and had no luxury of formal education.

It also leads to man questioning reason for existence and the purpose of our lives. Mother Teresa, for one, questioned her comfortable life in Europe,

and decided to dedicate her life in service to the poorest. She gave life to the Gandhian saying, "if you want to find yourself, lose yourself in the service of others."

Similarly, it ensures independence in thoughts before any other kind of independence. This was demonstrated by Revolutionary leaders like Bhagat Singh, who promoted reasoned thinking in all comrades before attaining political independence.

Not blindly accepting thoughts and accepted rules also leads to advancement of scientific thinking and achievements.

DR. Chandrasekhar refused to accept prevailing theories of star collapse & discovered the fancy "Chandrasekhar limit"¹⁶

for stars to collapse into blackholes
or neutron stars after a supernova.

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

YIN TO THE YANG: VICES OF BLIND ACCEPTANCE OF THOUGHTS

It is not surprising that not
considering thoughts & ideas and their
blind acceptance leads to unblemished
evil. It leads to men becoming
like mere sheep. For instance, King
Agamemnon of Greece led his gullible
soldiers & vassals to Troy for "glory."
The soldiers agreed to kill & plunder for
him but could not explain what "glory"
meant in their own lives.

Similarly, it erodes human agency
and disturbs human cognition. This can
be due to poor education, poor

skills or blind faith in others like the government. This was shown by blind loyalty of soldiers to Umayyid Caliphate who murdered Imam Hussain (Grandson of Prophet) as he refused to submit to Caliph's authority.

It also sets the stage for proliferation of propaganda. Where men do not think, propaganda reigns supreme. The quintessential instance was seen in Goebbels of Germany, who destroyed German fraternity & led to "otherization" & dehumanization of Jews during WWII.

RATIONALITY AND DIALECTICS: A KEY TO THE FUTURE

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

In light of the discussion above, it is eminently clear that humankind (and India) are in dire need of more educated minds. This can be done by people, organizations and nations in many ways.

India has embarked on a transformative journey to nurture education and rational actors. Schemes like PM Shri and Eklaya Schools will ensure education while NEP, 2020 will ensure value education for rational yet ethical citizenry.

Swami Vivekananda said, "Conquer yourself & whole world is yours."

This is only possible with good education to build future of tomorrow.

Long years ago, we made a tryst with destiny, and it will be fulfilled & actualised by education and rational minds. This thought in our hearts, let us join hands to ensure good value-laden education and build a new world, where "mind is without fear & educated mind is held high"

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

① World must learn to ^{work} together, or finally it will not work at all. **SPACE FOR ROUGH WORK**

Keywords: World, live together, not work at all.

Intro: Thicket of trees - WWII, man trying to find way - win war. Talented who was - can't find. Thought of other way

J R Oppie: Decided to ropem other scientist - ^{other allies} Feynman, Bethe, Teller to work on Manhattan project to win war to test his peace

Connector: Timeless need to come together to create better world / meet shared objectives

Essay: Need to work together to cosecitate prosperous world & unblemished cul / fol

Body

① work together reasons: ① Natural order of things. ^{monumental} Eg Gods Brahma, Vishnu, Shiva & Han built world

② Ensures all do Dharma. Eg Arjuna

③ Allows collaboration ^{barrier} Eg Poded intelligence

Eg People of Colombia, V. Ecuador - Bolivar

④ Greater synergistic effects: Eg Aztecs utilitarian

⑤ Muk: ^{lie} work together as brother.

Eg Shows peace btw Israel & Egypt

⑥ Co-Create - SN Bose & Einstein

⑦ Meet SDG Goals. Eg Remove hunger, Gender equality

① Not easy to work together (Want work at all)

① Conflict & War. Eg Magadha + other as couldn't work better for property

② Against natural order of human nature. Eg Confucius believed in it.

③ Waste of resources. Eg Selia builds resources in Sudan Africa & destroyed by Militant

④ Regressive: Eg ~~of Attergo~~ Conquest destroyed America Vietnam / ~~Somebody~~ Sometimes needed

① Not always possible. Eg me national interest Eg AI, semicon Pr. India

② Need partnership of equal Eg Tata making our EV after humiliated by Jaguar

③ That defilt - Tesla

Conclusion

- Polyaxis - Turn to each other not away. Socratic Ideals work with all.

- See through individual actions societal, national & int'l - UN

- Hawaii - collaborate & to create Build just & peaceful world

Oppenheimer

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it

SPACE FOR ROUGH WORK

Q1 educated mind, entertain thoughts without accepting it

Q2 what is an education & what are values of educated mind - Aristotle eluded precise meaning & definition since dawn of civilization

or Aristo Plato: means formally trained mind with cardinal values - T/P

Aristotle: Educated mind & human mind of values & morals. Critical to keep such mind for growth of civilizⁿ

Essay: Need for ed mind to train senses & rationality to advance our knowledge & how believing anything = bad

Body words / M can

Ed mind: Formally trained mind in order to develop capacity of

think + rationality. But not necessarily

Entertain thought without accepting:

Apply our mind, logic & rationality to facts & situations. No blind trust.

Body

Ed mind: thinks & reasons thoughts before accepting. Eg Carveka & Gosala rejected vedas

1 Ensures use of brain's capacity. Eg Early man cold - fire & wheel.

3 Promotes rational society. Eg 100 - entertained thought dictatorship - chie democracy

4 Ensures good of all

5 ~~Promotes~~ suppresses superstition. Eg Bhakt Movement - considered rejected idol worship & cast differences

6 Questions existence & purpose of life. Eg Mother Teresa - service of others & not luxury life

7 Advances knowledge by questions. Eg Chandrasekhar - why stars collapse - C limit - Bhole.

8 Ensures independence in thoughts => political/civ independence Eg Bhayat Singh

Not entertain

1 Man as mere sheep Eg Agamemnon led soldiers to Troy for "glory"

2 ~~Violence & conflict~~ waste of brain Eg due to poor ed, #01

3 Eg Hw Imam Hussain & Umayyad

④ Hypothic conquest of mind

(Eg) Mayab - **SPACE FOR ROUGH WORK**

⑤ Propaganda (Eg) Goebbels -

Jews - organization

(conclusion)

Reason, know,
rationality

① Need for good ed. PM - SHRI

Eklavya KG Balika schools
to saturate (SDG - 4)

② Value ed.: not just ed but
make ethical citizens (compassion,
dedication)

(Eg) NEP & Panchajanya

system.
Maslow - need
conquer yourself & whole world
- Virekanda

③ Huso - ^{Thyrt?} Ideal time

Must accep entertain &
accept - better world.

where mind w/o fear

head with ed mind held high -

Aristotle

Cause of ~~nature~~ nation ⇒ mankind